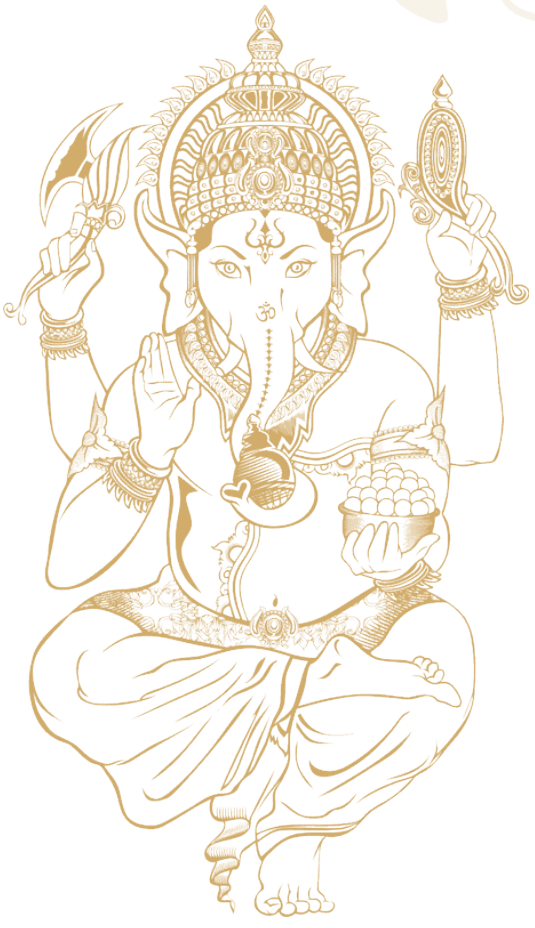

Umesh

Jyoti

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121439805

पुल्लिंग :		लिंग	: स्त्रीलिंग
05/01/1996 :		जन्म तिथि	: 19-20/06/1998
शुक्रवार :		दिवस	: शुक्र–शनिवार
कला 13:30:00 :		जन्म समय	: 05:00:00 कला
घटी 16:07:30 :		जन्म समय(घटी)	: 57:28:50 घटी
India :		देश	: India
Kolhapur :		स्थान	: Kolhapur
16:42:00 उत्तर :		अक्षांश	: 16:42:00 उत्तर
74:19:00 पूर्व :		रेखांश	: 74:19:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :		मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
कला -00:32:44 :		स्थानिक संस्कार	: -00:32:44 कला
कला 00:00:00 :		ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 कला
07:03:00 :		सूर्योदय	: 06:00:28
18:12:10 :		सूर्यास्त	: 19:07:31
23:48:12 :		लाहिरी अयनांश	: 23:50:00

विंशोत्तरी
राहु 7वर्ष 2मा 25दि
शनि
01/04/2019
01/04/2038

शनि	04/04/2022
बुध	12/12/2024
केतु	21/01/2026
शुक्र	22/03/2029
रवि	04/03/2030
चन्द्र	03/10/2031
मंगळ	11/11/2032
राहु	18/09/2035
गुरु	01/04/2038

ग्रह	राशि	अंश	राशि	अंश
लग्न	मेष	11:00:37	वृष	19:28:26
सूर्य	धनु	20:27:09	मिथु	04:38:01
चंद्र	मिथु	14:38:26	मेष	08:24:00
मंगळ	मक	03:45:01	वृष	24:57:51
बुध	मक	09:33:39	मिथु	16:04:28
गुरु	धनु	06:39:13	मीन	02:58:39
शुक्र	मक	24:08:32	वृष	00:47:32
शनि	कुंभ	25:53:51	मेष	07:09:42
राहु व	कन्या	28:57:56	सिंह	09:59:37
केतु व	मीन	28:57:56	कुंभ	09:59:37
हर्ष व	मक	05:47:36	मक	18:28:29
नेप व	मक	01:02:11	मक	07:47:28
प्लूटो व	वृश्चि	08:17:12	वृश्चि	12:15:33

विंशोत्तरी
केतु 2वर्ष 7मा 2दि
रवि
21/01/2021
21/01/2027

रवि	10/05/2021
चन्द्र	09/11/2021
मंगळ	17/03/2022
राहु	08/02/2023
गुरु	28/11/2023
शनि	09/11/2024
बुध	15/09/2025
केतु	21/01/2026
शुक्र	21/01/2027

लग्न–चलित

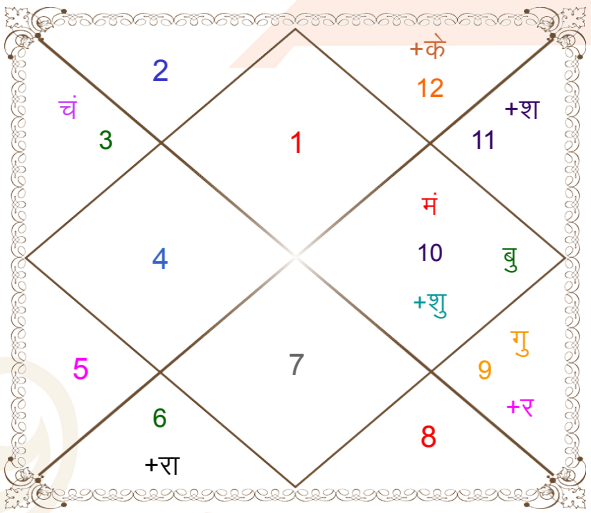

लग्न–चलित

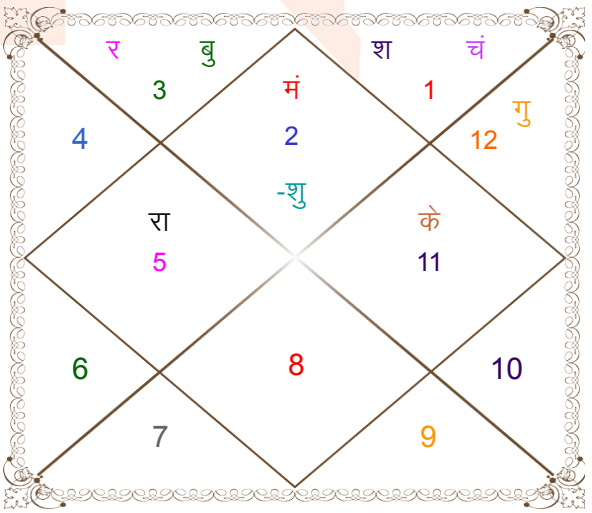

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	क्षत्रिय	1	0.00	––	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	––	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	––	भाग्य
योनि	श्वान	अश्व	4	2.00	––	यौन विचार
मैत्री	बुध	मंगळ	5	0.50	––	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	––	सामाजिकता
भकूट	मिथुन	मेष	7	7.00	––	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	आह	स्वास्थ्य/संतान
एकुण :			**36**	**17.00**		

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि न्उमी का नक्षत्र आर्द्रा है।

न्उमी का वर्ग मांजर है तथा Jyoti का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार न्उमी और Jyoti का मिलान ठीक नाहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

न्उमी मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

Jyoti मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु न्उमी कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

न्उमी तथा Jyoti में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।